

धरती आवा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मञ्च

सबकी बात सबके साथ

प्रकृति पर्व
करमा पूजा
की नारिक शुभकालनारे

न्यूज डायरी

खपैल मकान गिरने से सो रहे छह लोग दबे
लोहरदार। कुड़ी प्रखंड के जिमा पंचायत के टिकों बंडा टोली में रविवार औले सुबह करीब दो बजे गहरी नीद में सो रहे एक परिवार पर खपैल मकान का छप्पर तथा दीवार गिर गया। इससे सभी छह ग्रामीण छप्पर तथा दीवार में दब गये। बींसी मुश्किल से सभी को बाहर निकाल इलाज के लिए कुड़ी सीएसी पहुंचाया, जहां से दो को रांची पंचायत तथा नीन को लोहरदार सदर अस्पताल रेफर किया गया।

धनबाद : धमकाने वाले तीन बदमाश गिरफतार

धनबाद। एनसीपीएल कंपनी के टेक्केवार से करोड़ों की राघवी मांगने वाले एक गिरोह के तीन अपराधियों का धनबाद पुलिस ने गिरफतार किया है। उनके पास से पुलिस ने एक पिटल, तीन चिपस्सर, एक कट्टा और भारी मात्रा में गोती के अलावा एक पल्सर बाइक भी जब थी। तोपवांवी में कंपनी ओरब्रिज बना रही है।

गोड़ा : शीतल नदी में झुबने से दो की मौत

गोड़ा। जिले के बसंतगांव के शीतल नदी में झुबने से दो यात्री की मौत हो गयी है। घटना के बाद पुलिस और खानीय लोगों की मदद से उनके शवों को पानी से बाहर निकाल गया। ज्ञात हो कि मछली पकड़ने के दौरान हादसा हुआ।

भारी बारिश से तोड़ाई नदी का जलस्तर बढ़ा

पांडुँ। जिले में भारी बारिश से तोड़ाई नदी का जलस्तर बढ़ गया। इस कारण सड़क नदी में समा गयी। साथ ही इलाके के दो मकान भी धमोंके के कगार पर हैं। बींडीओं ने लोगों को मकान खाली करने की अपील की है।

राजस्थान में है करीबी लड़ाई : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी के अच्छा प्रदर्शन करने का विश्वास जताते हुए रेतिवार को कहा कि 30% की वार्षिक निश्चित रूप से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव जीत रही है।

सभवार : वह तेलगुना में भी जीत दर्ज करेगी और राजस्थान में बहु दर्ज करेगी। यह तेलगुना में भी जीत दर्ज करेगी और राजस्थान में बहु दर्ज करेगी।

भरनो में सड़क हादसा दो की मौत, चार घायल

गुमला। जिले के भरनो प्रखंड के चट्ठी रोड महुआटी के पास शाम एक महुआटी हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार एक ऑटो व बाइक में जोरदार टक्कर से ऑटो पलट गया। हादसे में बाइक सवार करजटाली निवासी मोहन उरांव (28 वर्ष) व ऑटो में सवार सिलाफारी निवासी भोजा साहू (65) की मौत हो गयी। ऑटो में सवार तीन महिलाएं व बाइक में सवार एक अन्य युवक घायल हैं।

वाहना आभूषण

सोना (विक्री) : 56,00 रु.10 ग्राम

चांदी : 75,00 रु.प्रति किलो

भादो कर एकादशी करम गड़ाय रे...



फोटो : सनीर

सहाय्यक वित्तीक कार्य किंवद्दल्लु

दीक्षांत मंडप मोरहाबादी में करम पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में नृत्य करते आदिवासी युवा और युवतियां

चेंबर चुनाव में किशोर मंत्री गुट ने मारी बाजी

21 में से 19 प्रत्याशी जीते, ज्योति कुमारी को सर्वाधिक 1845 मत



जीत के बाद जश्न मनाते किशोर मंत्री गुट के सदस्य।

खबर मन्त्र व्याप्रो

मोरहाबादी में वेंटिंग प्रक्रिया शुरू हुई जो शाम पांच बजे तक चली। गंभीरों की सुविधा के लिए 20 काउंटर और 26 बूथ बने थे। थोक्सीय उपाध्यक्ष पर के लिए 2 बूथ किशोर मंत्री गुट ने बाजी राम ली है। किशोर मंत्री टीम के कुल 21 प्रत्याशियों में से 19 विजेता हुए। वहाँ दूसरे गुट से नवजोत अलग और रोहित अग्रवाल ने जीत दर्ज की। इससे पूर्व रेतिवार को कड़ी उम्मीद कुल 55% मतदान हुआ। योटिंग के बाद मतगणना शुरू हुई।

शुरू से ही किशोर मंत्री गुट का दबदबा रहा। चुनाव परिणाम की घोषणा चुनाव पदाधिकारी ललित सुरक्षा व्यवस्था के बीच चैंबर चुनाव के लिए वोटिंग हुई। कुल 3900 मतदाताओं में 2173 ने वोट दिये। रेतिवार को सुधर 9 बजे से अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल, राम लाल, अनिष बुधिया, अमित किशोर अग्रवाल, जयलाल, रामलाल, राम लाल, शैलेश्वर विसरा मुंदा फुटबॉल मैदान

टॉप 21 उम्मीदवार

इस चुनाव में सभी अधिक वोट किशोर मंत्री गुट की ज्योति कुमारी को (1845) जिले। इसके अतिरिक्त किशोर मंत्री टीम में अदिव्य मनदोला, अमित शर्मा, अनिल अग्रवाल, डॉ. अमित रामानी, किशोर मंत्री, नवीन कुमार अग्रवाल, परेश ठानी, पवीण लोहिया, राहुल साही, राम लाल, श्रीलेश अग्रवाल, संजय चैंबर, श्रीलेश अग्रवाल, संजय अशोकी, सुनील केडिया, सुनील कुमार सरावणी, विकास विजयराय, पियाल कुमार फोगला समेत कई प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। वहाँ निर्विवादी प्रत्याशी नवजोत अलंग और रोहित अग्रवाल जीते।

कड़क, शैलेन्द्र कुमार सुमन, पारस कुमार जैन, श्रवण कुमार, विनोद कुमार बवशी, अनिष कुमार सिंह, ब्रजेश कुमार, संजय कुमार कुमार सिंह, संतोष उरांव, सुनील कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, रामी रामी, राजीव कुमार व शैलेश्वर दयाल सिंह।

मन की बात में बोले पीएम मोदी देश की विविधता का दर्शन करें

एजेंसी

नवी दिल्ली। पीएम मोदी ने विविधता का दर्शन करने की अपील की और कहा कि इससे न सिर्फ लोग गैरवशाली इतिहास से परिचित होंगे। अब राज्य सरकार को धरोहर संग्रहीय वस्तुओं की संस्कृति को अपील करनी चाही जाने की योजना बनाएं तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार ने पहले वार्ता के लिए आश्वासन दिया और बाद में पुलिस से लाठी चलवाई, ये ठीक नहीं है। राज्य सरकार कुड़मी समाज के साथ दोहरी नीति अपना रही है। कुड़मी विकास मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष नीति अलंग ने उत्तर करता है कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 किलोमीटर विकासी भोजी ने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने 20 सितंबर को राज्य सरकार के दर्शन करने की अपील की जाने की योजना बनाए तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता के दर्शन करें। अपने अब बढ़ाने की अहम मायदा बनें

प्रकृति की पूजा का महान पर्व करम

डॉ कोरनेलियस मिंज करम कब गाढ़ा गया?

करम पर्व कब से मनाते आ रहे हैं यह कह पान मुश्किल है लेकिन यह तय है जब से उरांव समुदाय खर्ते कार्य प्रारंभ किया होगा तभी से यह पर्व मनाया जा रहा है। ऐसे कुछ जानकार कहते हैं। करम पर्व को अन्य समुदायों की अपेक्षा उरांव समुदाय ज्यादा प्रचार प्रसार किया है। उरांव जाति भ्रमणशील थी, इसलिए कहा जाता सकता है कि ये जहां - जहां गये, वहां - वहां इस पर्व को लेकर गये। करम पर्व कैसे प्रारंभ हुआ, इसके पीछे का तर्क भी रोचक है। कहा जाता है उरांव जाति जब एक जगह से दूसरे जगह जा रहे थे, तभी दुश्मन उनके पीछे पड़ गये। अपने को बचाने के लिए जंगल का सहारा लिये। वे जंगल में घुस गये और घने पेड़ के नीचे जाघुसे। बड़े-बड़े पत्ते हाने के कारण उन्हें दुश्मन ढूँढ़ नहीं पाये। कहा जाता है काफी दिनों तक वे वहां छिपे रहे जब दुश्मन चले गये, तब वे बाहर आये। बाहर आकर उन्होंने देखा कि करम पेड़ के कारण वे बचे। करम पेड़

यह जानकर आश्र्य होगा कि आदिवासियों का एक धड़ा अलग ही अंदाज में करम मनाता है। वह अंग टाना भगत है। ये उरांव आदिवासी समूह से आते हैं। 1912 ई. से जतरा टाना भगत की नेतृत्व में उरांव आदिवासियों का एक समूह महात्मा गांधी के नक्शे कदम पढ़ा। अहिंसा के बड़े पुजारी हैं। महात्मा के अहिंसा मंत्र इन्हें भाया कि ये जीव हत्या से दूर हो गये। अभी किसी हत्या, खून-खराबा से कोसे दूर रहते हैं। इसी कारण ये पर्व त्योहारों या अन्य धार्मिक अनुस्ठान भी अलग अंदाज में करते हैं। मुर्गे, बकरे अन्य जीवों की बलि पर विश्वास नहीं करते। इसलिए करम पर्व भी अलग तरह से मनाते हैं। टाना भगत अखरा में

करम डाल को नहीं गाड़ते हैं। ये करम के पेड़ की ही पूजा करते हैं। इनकी मान्यता है कि करम डाल को काटना मतलब पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना। जब हम करम पेड़ को आराध्य देव मानते हैं तो फिर उसे हम क्यों नुकसान पहुंचायें। करम डाल को काटना बड़ा अपराध मानते हैं। इसे किसी हिंसा से करम नहीं मानते हैं। इनकी ये मान्यता है कि करम की डाल को काटने से धर्म चला जाता है। इसमें धर्म कैसे हो सकते हैं। प्रकृति को नुकसान पहुंचाने को अच्छा कर्म कैसे माना जा सकता है। अच्छा कर्म नहीं है तो वह धर्म कैसे हुआ। इसी मान्यता के कारण झारखंड के टाना भगत अखिरा में करम डाल न गाड़कर

पेढ़ की पूजा करते हैं। पूजा करने की विधि लगभग उरांवों के तरह ही है। करम कथा भी सुनी जाती है। पूजा के बाद भजन करते हैं। अखरा में नृत्य करते हैं लेकिन ये ज्यादातर भजन से करम देव की आराधना करते हैं। झारखण्ड में लोहरदगा, गुमला, चतरा, रांची, हजारीबाग में ज्यादातर टाना भगत निवास करते हैं। मुर्मे, बकरे आदि की बलि देकर पूजा अर्चना करने में ये विश्वास नहीं करते हैं। इसलिए यह समुदाय आज उरांव के होते हुए थोड़ा कटा हुआ और छिन-भिन्न नजर आता है। करम के दिन गीत इस तरह गाये जाते हैं - करम कर दिन पानी न बरिसाय हो, रिंगी रिंगी बरिसाय हो आदि।

टाना भगत नहीं काटते करम वृक्ष की डाल



खाइया समुदाय का करम पूर्व

आद काल स खाड़िया जनजात समूहों में निवास करती रही है। वे खानाबदेश का जीवन व्यतीत करते थे लेकिन समझ में रहते थे। एक जगह

करम-धरम

गाड़ा जाता है।

इस करम को समूह में मनाया जाता है। इसमें कुंवार लड़के-लड़कियां शामिल होते हैं। अखरा में करम डाल गाड़ा जाता है। इसकी खास तिथि तय नहीं है लेकिन जलाई अगस्त माह में मनाया

न उनका रक्षा का, इसालए व उस आराध्य दव मानक है। पूजा करम पेड़ की पूजा की। जीवन संरक्षक मानक है। करम डाल की पूजा की गयी थी। यह दिन संयोग से भाद्रे एकादशी का था। जहाँ वे छिपे थे वहाँ पर अन्न के कुछ दाने जमीन पर पड़ गये थे, नमी होने के कारण वे अंकुरित हो गये। धूप नहीं होने की वजह पीले पड़ गये थे, उसे पूजा के समय वे फूल के रूप में चढ़ाये। संभवतः यहाँ से जावा उठाने की परंपरा प्रारंभ हुई। करम पर्व में जावा यहाँ से प्रवेश किया। इस प्रकार उरांव समुदाय के लोगों करम को अस्तित्व रक्षक, प्राकृतिक संरक्षण, परंपराओं का प्रतीक मानते हैं। दंत कथा तो यह भी है कि महोदय को खुश करने के लिए पार्वती देवी ने सात साल तक उपवास-पर्हेज किया था। जिस पेड़ के नीचे वह तपस्या करती थी वह करम वृक्ष ही था। इसलिए करम पर्व में लड़के उपासक का महादेव और लड़की उपासक को पार्वती कहा जाता है।

रोहतास गढ़ के करम पेड़ की कथा

कहा जाता है कि रोहतासगढ़ में बहुत वर्ष पहले तीन डालियों को गाड़कर करम मनाया था, जिसका विसर्जन नहीं किया गया था। कालांतर में वे डालियां पेड़ का रूप धारण कर लीं। रोहतासगढ़ में अभी भी तीन बड़े-बड़े करम के विशाल वृक्ष हैं। रोहतास गढ़ में उरांवों ने तीन करम डाल को गाड़ कर करम पर्व मनाया था, वही डाल अब विशाल पेड़ बन चुका है, कुछ लोग ऐसे कहते हैं।

करम पेड़ की महत्ता:

वैज्ञानिक हिसाब से देखा जाये तो ऑक्सीजन के लिए पेड़ होना जरूरी है। यही हमें जीवन देता है। अतः कहा जाता है कि एक पेड़ को प्रतीक मानकर जरूर पूजा की गयी लेकिन सभी पेड़ों की महत्ता है। वैसे कहा जाता है ऑक्सीजन देने में करम पेड़ सबसे आगे है। रोग-व्याधि को दूर करता है।

A photograph capturing a traditional Indian ritual, likely aarti, by a body of water. Three women in sarees—two in white and one in yellow—are seen from behind, their backs to the camera. They are performing a ritual, possibly offering flowers or lighted candles into the water. The water surface is filled with numerous floating offerings, including small lit oil lamps (diyas) and colorful flower petals. In the foreground, a large, vibrant green lotus plant with its characteristic leaves and flowers is visible, partially obscuring the ritual. The background shows a calm body of water under a clear sky.

| सात बहन | |
|---------------------------|----------|
| करम गाँड़े रे | मांदर वे |
| सातो गोतनी सेवा करैं। | पर बेह |
| छोट भइया मांदर बजाएं | करम ने |
| बड़ दादा गीत गावै..... | रीझ रंग |
| मुँडे पगरी भुएं रे लोराए। | झारखंड |
| सातो बइनी उपासल | आरंभ |
| सभे बइनी पियासल | होता ३ |

हन- सात भा

सात बहन- सात भाई का करम उत्सव

करम गीत

हैं कि सातो बहन सातो भाई मिलव
मांदर के बोल पर अखरा सुहाना व
लेंगे ,फूलल कांसी फूल
बहनी के आस झाल
दादा-भड़या आबै लेगे
—ते —ते —ते —ते

जवाब दे दिया तो किसी बहन के कानों
के गहने तरकी का रवा झङ्ग गया।
खेलने वालों को कभी-कभी ठेस भी
लग जा रही है -

मदारका कर मादर फूटिंग गल
 सब सखी मिली-जुली डंडा जोरी
 खेलै खेड़िल
 बिन बाजाक बड़नी भाई
 खेलइयाक ठेस लाइग गेल
 आधा राति गीते, पहर राति बीतल
 मांदर गुंजरे भाई, तरकी कर रवा
 झाइर गेल ॥
 बहन करम गोसाई से अपने भाई
 के लिए लंबी उम्र की मांग कर रही है
 देउ देउ करम गोसाई - देउ आसीस
 मोर दादा जीए लाख बरिस।
 भाई - बहन के असीम प्यार को तो
 देखिए
 दुलारी बहिन करत है करम झाइर
 राजा भइया बजाए बांसी
 छोटीकी बहिन पूजत है करम डाइर